प्लैटिनम वैली इंटरनेशनल स्कूल
वार्षिक पाठ्यक्रम (2024 - 25)
कक्षा - सातवीं
विषय - हिंदी

पुस्तक:- सोन चिरैया
व्याकरण पुष्प

Month	Topic	Objectives	Art integration/ Experiential learning	Methodology of teaching/ Art of teaching	Learning outcomes
अप्रैल	सोन चिरैया -पाठ 1 भारत देश	*स्वतंत्रता के महत्व को समझाना। *मातृभूमि के विषय में विवेचन करना। *मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्य से परिचित कराना। *मातृभूमि के विषय में परिकल्पना करना। *देश और देशवासियों के नवीन निर्माण के लिए प्रेरित करने के विषय में बताना।	देशभक्ति का चित्र सीट पर लगे वह उनके विषय में अपने विचार प्रस्तुत करें।	व्याख्यान विधि	*छात्रों ने स्वतंत्रता के महत्व को समझा। *छात्र मातृभूमि के विषय से परिचित हुए। *छात्रों ने मातृभूमि के विषय में परिकल्पना की। *छात्र मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्य से परिचित हुए। *छात्रो ने देश और देशवासियों के नवीन निर्माण के विषय में जाना।
	पाठ - 2 एलेक्जेंडर ग्राहमबेल	*छात्रों में दया की भावना को विकसित करना। *मूक बधिरों के प्रति सेवा का भाव रखना। *कठिन परिश्रम करके लक्ष्य प्राप्ति तक पहुंचना।	अपने मनपसंद किसी आविष्कारक का चित्र अपनी पुस्तिका में चिपका कर उसके बारे में 10 पंक्तियां लिखिए।	व्याख्यान विधि	*छात्रों में दया की भावना विकसित हुई। *छात्रों ने दूसरो के प्रति सेवा भाव रखा। *छात्रों ने कठिन परिश्रम दवारा लक्ष्य प्राप्त करने का निर्णय लिया।
	व्याकरण पुष्प- पाठ 1 भाषा बोली लिपि और व्याकरण	*छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि जागृत करना। *छात्रों को भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्रदान करना। *छात्र भाषा के विभिन्न रूपों की तुलना कर सकेंगे।	दस रूपए का नोट बनाकर उसमे लिखी भाषाएं व लिपियां लिखिए।	प्रश्नोत्तर विधि	*छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न हुई। *छात्रों को भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त हुई। *छात्रों ने भाषा के विभिन्न रूपों की तुलना की।
	पाठ- 2	*छात्रों को व्याकरण के		व्याख्यान विधि	*छात्रों ने व्याकरण के नियमों का ज्ञान सीखा।

	वर्ण विचार शब्द भंडार पत्र लेखन	नियमों का ज्ञान कराना। *छात्रों को भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग करना सीखाना। *छात्रों को वर्णों के भेद से अवगत कराना। *पर्यायवाची, विलोम शब्द के विषय में जानकारी प्रदान करना। *अनेकार्थी शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द आदि शब्दो मे अंतर समझाना। *छात्र पत्र लेखन के महत्व को समझ सकेंगे। *छात्र पत्रों के प्रकार मैं अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।	वर्ण भेदों का चित्र बनाकर उसका वर्णन करे। *अनेकार्थी, समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों से वाक्य बनाकर उसका वर्णन करे।	चर्चा विधि	*छात्रों ने भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग करना सीखा। *छात्रों ने वर्णों के भेद को जाना। *छात्रों ने पर्यायवाची , विलोम शब्दों को समझा। *अनेकार्थी, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द व अनेक शब्दों के लिए एक शब्द में अंतर को समझा। *छात्रों ने पत्र के महत्व को समझा। *छात्रों ने औपचारिक व अनौपचारिक पत्र में अंतर को समझा।
मई	सोन चिरैया-पाठ 3 दांत की पीड़ा व्याकरण -उपसर्ग , शब्द विचार अनुच्छेद लेखन	*जीवन के मूल गुणों को समझाना। *अच्छे गुणों को अपने जीवन में उतारने की कोशिश करना। *हास्य व्यंग्य विधा से परिचित हो सकेंगे। *छात्र उपसर्ग के द्वारा नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। *छात्रों को शब्दों के विभिन्न भेदों के अंतर को समझाना। *अनुच्छेद लेखन विधा का ज्ञान प्रदान करना।	*कोई एक हास्य व्यंग्य कथा का वर्णन कीजिए। *शब्द विचार के भेदों का चित्र बनाकर उनका वर्णन कीजिए।	व्याख्यान विधि चर्चा विधि	*छात्रों ने जीवन के मूल गुणों को समझा। *छात्रों ने अच्छे गुणों को अपने जीवन में उतारा। *छात्र हास्य विधा से परिचित हुए। *छात्रों ने उपसर्गों द्वारा नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को सीखा। *छात्र शब्दों को जान पाए और उसके भेदों में अंतर कर पाए। *छात्रों ने अनुच्छेद लेखन करना सीखा।
जुलाई	सोन चिरैया -पाठ 4 सुलेख का महत्त्व पाठ -5 कर्मवीर	*सुलेख के लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त करना। *सुंदर और स्पष्ट हस्तलेखन के महत्त्व से परिचित होंगे। *अस्पष्ट लेखन से होने वाली समस्याओं को जानेंगे। *जीवन में कर्म के महत्त्व को समझाना।	गांधी जी का चित्र बनाकर उसके बारे में कुछ पंक्तियां लिखिए। कर्मवीर की विशेषता	प्रश्नोत्तर विधि व्याख्यान विधि	*छात्रों ने सुलेख के विषय में जानकारी प्राप्त की। *सुंदर और स्पष्ट हस्तलेखन के महत्त्व से परिचित हुए। *अस्पष्ट लेखन से होने वाली समस्याओ से परिचित हुए। *छात्रों ने कर्म के महत्त्व को समझा। *छात्रों ने समय के महत्त्व को जाना।

	पाठ- 6 महान विभूति व्याकरण- प्रत्यय, विशेषण ,अशुद्धशोधन	*समय का महत्त्व को समझाना। *कठिन चुनौतियां का सामना करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना सीखाना। *छात्रों में गंभीरता और संवेदनशीलता का विकास करना *भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जीवन के विषय में जानेंगे। *उनके स्वतंत्रता संग्राम के योगदान से परिचित होंगे। *छात्रों को विशेषण के महत्व की जानकारी देना। *छात्र प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाने की प्रक्रिया को सीख सकेंगे। *छात्रों को वाक्य से संबंधित अशुद्धियों के विषय में बताना।	बताते हुए एक पोस्टर बनाइए। देशभक्ति की भावना को प्रेरित करते हुए स्लोगन लिखिए। *विशेषण का वर्णन करते हुए उसके भेदों का चित्र बनाइए।	व्याख्यान विधि चर्चा विधि	*छात्रों ने कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्णय लिया। *छात्रों में गंभीरता और संवेदनशीलता का विकास हुआ। *भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के विषय में जाना। *उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान से परिचित हुए। *छात्रों को विशेषण के महत्व की जानकारी प्राप्त हुई। *छात्रों ने प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाने की प्रक्रिया को सीखा । *छात्रों ने वाक्य से संबंधित अशुद्धियों के विषय में जाना।
अगस्त	सोन चिरैया -पाठ 7 मातृभूमि का मान पाठ- 8 स्वास्थ्य ही जीवन है। व्याकरण -समास, संधि, मुहावरे और लोकोक्तियां	*छात्रों में देशभक्ति की भावना का विकास करना। *मातृ भूमि के प्रति कर्तव्यों से अवगत कराना। *देश की गौरवशाली परंपरा को जानेंगे। *उत्तम स्वास्थ्य के महत्त्व को जानेंगे। *स्वच्छता, पोषण, और व्यायाम की महत्ता से अवगत होंगे। *संतुलित आहार और जंक फूड में अंतर कर सकेंगे। *छात्रों को समास के विभिन्न भेद की जानकारी देना व उनका प्रयोग करना सीखना। *छात्र वर्णों को जोड़कर नया शब्द बनाने की प्रक्रिया सीख सकेंगे। *मुहावरे और लोकोक्तियों का अंतर समझ सकेंगे।	*भारत में एकता में अनेकता दर्शाते हुए कॉलाज बनाइए। दो छात्रों के बीच संतुलित आहार जंक फ़ूड के विषय में संवाद लेखन। *समास के विभिन्न भेदों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से दर्शाए।	व्याख्यान विधि चर्चा विधि प्रश्नोत्तर विधि	*छात्रों में देशभक्ति की भावना का विकास हुआ। *मातृ भूमि के प्रति कर्तव्यों से अवगत हुए। *देश की गौरवशाली परंपरा को जाना। *उत्तम स्वास्थ्य के महत्त्व को जाना। *स्वच्छता, पोषण, और व्यायाम की महत्ता से अवगत हुए। *संतुलित आहार और जंक फूड में अंतर कर सके। छात्रों को समास के विभिन्न भेद की जानकारी देना व उनका प्रयोग करना सीखा। *छात्र वर्णों को जोड़कर नया शब्द बनाने की प्रक्रिया सीखी। *मुहावरे और लोकोक्तियों का अंतर समझा।

सितंबर		अर्धवार्षिक परीक्षा की पुनरावृति व अर्धवार्षिक परीक्षा			
अक्टूबर	सोन चिरैया -पाठ 9 चंद्रशेखर आज़ाद पाठ-10 ऊंटी की यात्रा व्याकरण -,क्रिया विशेषण,काल, विज्ञापन लेखन	*छात्रों को त्याग, बलिदान की भावना के महत्व को समझाना। *जीवन में अच्छे गुणों को ग्रहण करना सीखाना। *छात्रों को सही दिशा में कठिन परिश्रम करना सीखाना। *छात्रों को संस्कृति, सभ्यता एवं परम्परा की सुरक्षा करना सीखाना। *छात्रों को भ्रमण द्वारा ज्ञान बढाने के विषय में बताना। *दक्षिण भारत के प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित होंगे। *छात्रों को समय के विषय में बताना वह उसके विभिन्न भेद की जानकारी प्रदान करना। *छात्रों को क्रिया विशेषण के विषय में जानकारी प्रदान करना। *छात्रों को विज्ञापन लेखन के विद्या की जानकारी प्रदान करना।	*चंद्रशेखर आज़ाद का चित्र लगाकर स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान का वर्णन कीजिए। *आप छुट्टियों में घूमने गए थे। वहां की यात्रा का वर्णन करे। *काल के विभिन्न भेद का वर्णन करते हुए उनका कोलार्च बनाइए।	चर्चा विधि चर्चा विधि प्रश्नोत्तर विधि	*छात्रों ने त्याग व बलिदान के महत्व को समझा । *छात्रों ने अच्छे गुणों को सीखा। *छात्रों ने सही दिशा में परिश्रम करने के महत्व को समझा। *छात्रों ने संस्कृति, सभ्यता एवं परम्परा की सुरक्षा करना सीखा। *छात्रों ने भ्रमण द्वारा ज्ञान बढाने के विषय में जाना। *दक्षिण भारत के प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित हुए। *छात्रों को समय के विषय में बताना वह उसके विभिन्न भेद की जानकारी प्रदान करना। *छात्रों ने क्रिया विशेषण के विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त की वह उनके प्रयोग को सीखा। *छात्रों ने विज्ञापन लेखन विधा के विषय में जानकारी प्राप्त की।
नवंबर	सोन चिरैया -पाठ 12 मां: जीवन संचालिका पाठ -13 छोटा जादूगर	*मातृ भूमि के प्रति कर्तव्यों से परिचित होंगे। *क्रांतिकारियों के विचारों से परिचित होंगे। *समाज एवं देश के खातिर त्याग एवं समर्पण की भावना का विकास होगा। *मां के प्रति पुत्र के कर्तव्य बोध को समझेंगे। *अपने दायित्व के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे। *जीवन में आए कठिनाइयों को समझ सकेंगे।	*त्याग एवं समर्पण से संबंधित कोई एक कहानी का चित्र सहित वर्णन कीजिए । *आपके जीवन में मां का महत्व लिखिए।	व्याख्यान विधि चर्चा विधि प्रश्नोत्तर	*मातृ भूमि के प्रति कर्तव्यों से परिचित हुए। *क्रांतिकारियों के विचारों से परिचित हुए। *समाज एवं देश के खातिर त्याग एवं समर्पण की भावना का विकास हुआ। *मां के प्रति पुत्र के कर्तव्य बोध को समझा। *अपने दायित्व के प्रति समझ विकसित किया। *जीवन में आए कठिनाइयों को समझा। *छात्रों को कारक और विराम

	व्याकरण -विराम चिह्न, संज्ञा, कारक, संवाद लेखन	*छात्रों को कारक और विराम चिह्न की जानकारी प्रदान कर उन्हें उनके विभिन्न भेदों की जानकारी प्रदान करना। *छात्रों को संवाद लेखन की विधा से परिचित कराना।	*विराम चिन्हो को का चार्ट बनाकर उसका वर्णन कीजिए।	विधि	चिह्न की जानकारी प्रदान कर उन्हें उनके विभिन्न भेदों की जानकारी प्राप्त हुई। *छात्रों को संवाद लेखन की विधा से परिचित हुए।
दिसंबर	सोन चिरैया-पाठ 15 रहीम के दोहे	*छात्रों को रहीम जी के जीवन के विषय में जानकारी प्रदान करना। *छात्रों को दोहों के विषय में समझाना। *छात्रों को दोहों से मिलने वाले शिक्षा व सदव्यवहार की जानकारी देना।	रहीम जी के दोहे सीट पर लिखकर उसका वर्णन कीजिए।	व्याख्यान विधि	*छात्रों ने रहीम दास जी के जीवन के विषय में जाना। *छात्रों ने दोहो के विषय में समझा व जाना। *छात्र में दोहो से मिलने वाली शिक्षा व व्यवहार को अपनाया।
	पाठ-16 बूढ़ी काकी	*छात्रों को समाज एवम् परिवार के वृद्ध जनों का सम्मान करना सीखाना। *जीवन में मानवीयता को प्राथमिकता देना *जीवन के अंतिम पदव्रत अवस्था की विषमताओं को समझेंगे।	*वृद्धो के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाना चाहिए वर्णन करते हुए अनुच्छेद लिखिए।	व्याख्यान विधि	*छात्रों को समाज एवम् परिवार के वृद्ध जनों का सम्मान करना सीखा। *जीवन में मानवीयता को प्राथमिकता दी। *जीवन के अंतिम पदव्रत अवस्था की विषमताओं को समझा।
	व्याकरण -अलंकार, शब्द भेद, अव्यय, सूचना लेखन	*छात्रों को शब्दो की जानकारी प्रदान कर उन्हें उनके विभिन्न भेदों की जानकारी प्रदान कराना। *छात्रों को अव्यय के विभिन्न रूपों का ज्ञान कराना।। *छात्रों को सूचना लेखन की विधा का ज्ञान प्रदान करना।	*अलंकार के विभिन्न भेद को चिट्स की सहायता से एक सीट पर चिपकाए।	चर्चा विधि	छात्रों को शब्दो की जानकारी प्रदान कर उन्हें उनके विभिन्न भेदों की जानकारी प्रदान की। *छात्रों को अव्यय के विभिन्न रूपों का ज्ञान प्राप्त किया। *छात्रों को सूचना लेखन की विधा का ज्ञान प्राप्त किया।
जनवरी	सोन चिरैया -पाठ 17 फ़िजी: भारत से दूर	*फिजी की भौगोलिक स्थिति और सौंदर्य से परिचित होंगे। *भारत की संस्कृति सभ्यता और परंपरा की अतुलित शक्ति और प्रभाव को जानेंगे।	फिजी के समान भारतीय सभ्यता और संस्कृति को अपनाने	व्याख्यान विधि	*फिजी की भौगोलिक स्थिति और सौंदर्य से परिचित हुए। *भारत की संस्कृति सभ्यता और परंपरा की अतुलित शक्ति और प्रभाव को जाना । *हिंदी भाषा की लोकप्रियता और उसके महत्व को

	एक छोटा भारत व्याकरण -सर्वनाम, लिंग, वचन, पत्र लेखन	*हिंदी भाषा की लोकप्रियता और उसके महत्व को समझेंगे। *छात्रों को सर्वनाम के विषय में बताना वह उसके विभिन्न भेद की जानकारी प्रदान करना। *छात्रों को लिंग व वचन के विषय में बताकर उसके भेदों का ज्ञान प्रदान करना। *छात्रों को पत्र लेखन की विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना।	वाले किन्हीं चार देशों के नाम लिखिए तथा उनका चित्र भी चिपकाइए। *सर्वनाम के भेद का वर्णन चित्रों की सहायता से कीजिए।	प्रश्नोत्तर विधि	समझा। *छात्रों को सर्वनाम के विषय में बताना वह उसके विभिन्न भेद की जानकारी प्राप्त की। *छात्रों को लिंग व वचन के विषय में बताकर उसके भेदों का ज्ञान प्राप्त किया। *छात्रों को पत्र लेखन की विधा के विषय में जानकारी प्राप्त की।
फरवरी		वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम की पुनरावृति			